VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
01 JAN 2022
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1864)

Name of Candidate	Rajnish Patel		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	984013
Center	Mukherjee Nagar	Date	1/01/2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Agristack can serve as a foundation to build innovative agri-focused solutions, thus enabling creation of a better ecosystem for agriculture in India. Comment. Also, discuss the concerns associated with it.

(150 words) 10

एग्रीस्टैक अभिनव कृषि-केंद्रित समाधान प्रदान करने के लिए एक आधार के रूप में कार्य कर सकता है, इस प्रकार यह भारत में कृषि के लिए एक बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण को सक्षम बनाता है। टिप्पणी कीजिए। साथ ही, इससे संबंधित चिंताओं की भी विवेचना कीजिए।

एग्रीस्टैक से आशय कृषि क्षेत्र संबंधी सभी डेटा तथा संबंधित प्रक्रियाओं का एक जगह एकीकरण एवं एकत्रीकरण है। इसमें पशुपालन स्टैक, सिंचाई स्टैक आदि सभी सम्मिलित होते हैं।

भारतीय कृषि में योगदान

→ आंकड़ा संचालित समाधान विकसित करने में → उदाहरण:- साख सृजन, ऋण वितरण, मृदा संरक्षण आदि क्षेत्रों में एग्रीस्टैक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ एकीकृत प्रबंधन से संपूर्ण कृषि व्यवस्था के सभी घटकों पर पर्याप्त ध्यान दिया जा सकेगा।

⇒ किसानों की आय दुगुना करने हेतु आवश्यक नीतिगत हस्तक्षेपों हेतु महत्वपूर्ण इनपुट की प्राप्ति हो सकेगी।

⇒ सहायक गतिविधियों के संबंध में अधिक स्पष्टता आएगी।

वस्तुतः एकीकरण का अनुप्रयोग भारतीय संविधान के नीति निदेशक तत्व के अनुच्छेद-48 से भी साम्य रखता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Despite the advantages of geothermal energy, it has not been adopted on a wide scale in India. Discuss. **(150 words) 10**

भूतापीय ऊर्जा के लाभों के बावजूद, इसे भारत में व्यापक पैमाने पर नहीं अपनाया गया है। चर्चा कीजिए।

भू-तापीय ऊर्जा से आशय पृथ्वी के भीतर उपस्थित गर्म जल का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में करने से है। प्रायः इसका उपयोग उन जगहों पर अधिक आसान होता है जहाँ तापमान प्रवणता अधिक होती है।

भारत में संभावनाएँ

→ लेह-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश जैसे क्षेत्रों में इसकी व्यापक संभावना है।

→ 20 वीं शताब्दी में ही पश्चिमी देशों विशेषकर नार्डिक्स देशों ने इसका व्यापक उपयोग किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत में इस संभावना के सीमित दोहन के कारण

- तकनीकी कौशल का अभाव।
- पूँजी का अभाव।
- मानव संसाधन का अभाव।
- राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी।

वस्तुतः भारत को इसके संभावित उपयोग को सुनिश्चित करने हेतु अंतरक्षेत्रीय समन्वय, तकनीक स्थानांतरण आदि कदम उठाने चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. While the WTO seeks elimination of subsidies that contribute to IUU (illegal, unreported and unregulated) fishing, there are multiple concerns around it. Discuss while highlighting India's stand on the issue.

(150 words) 10

जहाँ IUU (अवैध, अनरिपोर्टेड या असूचित और अनियमित) मत्स्यन सब्सिडी को समाप्त करना संधारणीय मत्स्यन को सुनिश्चित करने हेतु परिकल्पित है, वहीं इसके इर्द-गिर्द अनेक चिंताएं विद्यमान हैं। इस मुद्दे पर भारत के रुख को रेखांकित करते हुए इसकी विवेचना कीजिए।

भारत WTO का संस्थापक सदस्य है। उसके प्रावधानों को मानने हेतु प्रतिबद्ध होते हुए भी मत्स्यन आदि क्षेत्रों में नीतिगत मतभेद विद्यमान हैं।

WTO द्वारा IUU पर बल

- मत्स्यन के अंतर्राष्ट्रीय विवादों के समाधान हेतु।
- मत्स्य संसाधन के अतिशय दोहन को रोकने हेतु।
- अवैध अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण हेतु।

मुद्दे

- भारत, अफ्रीका तथा अन्य पिछड़े देशों में मत्स्यन अनौपचारिक क्षेत्रक से संबद्ध है।
- अवैध और अनियमित आदि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मत्स्यन को दूर करने की प्रक्रिया में गरीब मछुआरों की आजीविका प्रभावित होगी।

⇒ भारत जैसे देशों में इस तरह के करोड़ों परिवार मत्स्य अर्थव्यवस्था पर आधारित हैं जो कि प्रभावित होंगे

भारत का रुख

- समावेशी समाधान निकाला जाय।
- सभी हितधारकों को महत्व दिया जाय।
- क्षेत्रीय संप्रभुता का सम्मान किया जाय।
- विकासशील देशों के हितों को केंद्र में रखा जाय।

वस्तुतः इस संबंध में सभी पक्षों को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. There is a view that the current agricultural policies in India are biased against rainfed agriculture. Comment. Also, identify government initiatives in this regard. **(150 words) 10**

यह विचार दिया जाता है कि भारत में वर्तमान कृषि नीतियां सिंचित कृषि के पक्ष में हैं। टिप्पणी कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकारी पहलों की पहचान कीजिए।

भारत की कृषि नीतियों के सिंचित कृषि के तरफ होने का एक प्रमाण यह है कि 1991 से 2007 के बीच भारत में 4000 मिलियन डालर की धनराशि नहर परियोजनाओं पर खर्च की गयी जबकि इसकी संपूर्ण सिंचित क्षेत्र में हिस्सेदारी घटती गयी।

कृषि नीतियां

→ उत्पादन में वृद्धि हेतु बिजली सब्सिडी, पानी सब्सिडी, उर्वरक सब्सिडी।

→ गहन जल आवश्यक फसलों, जैसे कि गन्ना, धान, ~~कपास~~ जूट आदि पर न्यूनतम समर्थन मूल्य।

→ प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ हर खेत को पानी।

→ पर ड्रॉप मोर क्रॉप।

→ डैम रिहैबिलेटेशन एंड रिजुवेनेशन प्रोजेक्ट (DRIP)

↳ धर्मा ऐप (DHARMA)

→ नदी जोड़ो परियोजना

→ स्प्रिंकलर पद्धति, टपकन विधि आदि हेतु सब्सिडी की घोषणा।

कारण

→ मानसून की अनिश्चितता।

→ अभी भी भारत का 55% क्षेत्र मानसूनी वर्षा पर कृषि क्षेत्र।

वस्तुतः सरकार को वर्चुअल वाटर ट्रेड एवं जल पद्धा कृषि आदि पर भी पर्याप्त महत्व देने की जरूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Enumerate the major causes behind marine heatwaves. Also, discuss their impact on the ocean ecosystem. **(150 words) 10**

समुद्री हीटवेव के प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिए। इसके अतिरिक्त, महासागर पारितंत्र पर उनके प्रभाव की विवेचना कीजिए।

समुद्री हीटवेव से आशय सामान्य के मुकाबले अधिक गर्म जलधाराओं की उत्पत्ति से है। इससे समुद्र पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।

(समुद्री हीटवेव के कारण)

- भौगोलिक तापन
  - भौगोलिक तापन के चलते जो व्यापक जलवायवीय प्रभाव उत्पन्न हुए हैं उसका एक स्वाभाविक परिणाम समुद्री हीटवेव है।
- महासागरीय कार्बन भंडार में वृद्धि
- महाद्वीपों में तापमान वृद्धि का महाद्वीपयता प्रभाव।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महासागरीय परितंत्र पर प्रभाव

- कोरल ब्लीचिंग
- मत्स्य संसाधन का गहराई की तरफ पलायन।
- गर्म जलधाराओं का ताप सहने में अक्षम प्रजातियों के विलुप्ति का खतरा।
- खाद्य शृंखला प्रभावित अतः खाद्य सुरक्षा संकट।

सुनामी हरिकेन जैसी आपदाएँ शृंखलाओं में आपदाओं का सृजन करती हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Aseismic structures are touted as a viable solution to combat earthquake destruction. In this context, highlight the need of a National Program on Seismic Retrofitting of Buildings and Structures in India. **(150 words) 10**

भूकंप के विनाश से निपटने के लिए भूकंपीय संरचनाओं को एक व्यवहार्य समाधान के रूप में माना जाता है। इस संदर्भ में, भारत में भवनों और संरचनाओं के भूकंपीय पुनर्निर्माण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम की आवश्यकता को रेखांकित कीजिए।

भारत के कई शहर, जिसमें राजधानी दिल्ली भी शामिल है, भूकंप प्रवण क्षेत्रों में सम्मिलित होते हैं।

भूकंपीय संरचनाओं का महत्व

→ चूंकि भूकंप की पूर्व घोषणा संभव नहीं अतः लोगों को पहले ही रेस्क्यू करना संभव नहीं। इसलिए आवास सुरक्षित होना जरूरी।

भारत में आवश्यकता

→ घनी बस्तियाँ

→ मानकों का प्रायः अनुपालन नहीं होता है।

→ राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण के दिशानिर्देशों

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एवं बिल्डिंग कोड आदि में इस संबंध में कठोर प्रावधानों का अभाव है।

⇒ भारत में उत्तरी क्षेत्र में भूकंप प्रवणता एवं जनसंख्या घनत्व दोनों अधिक है।

⇒ हाल के समय में भूकंप बारंबारता में वृद्धि हुई है।

⇒ नेपाल में आए भूकंप से हानि का उदाहरण हमारे सामने है।

उपर्युक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए एक नवीन कार्यक्रम उपयुक्त कदम होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Despite the risks associated with cryptoassets, their underlying advantages should not be overlooked. Discuss. **(150 words) 10**

क्रिप्टो-एसेट्स से जुड़े जोखिमों के बावजूद, उनके अंतर्निहित लाभों की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। चर्चा कीजिए।

क्रिप्टो-एसेट्स से आशय कूटबद्ध पद्धतियों जैसे ब्लॉकचैन, एण्ड-टू-एण्ड एनक्रिप्सन आदि द्वारा निर्मित पद्धतियों से है जो कि अत्यंत सुदृढ़ माने जाते हैं उदाहरण:- क्रिप्टो करेंसी, क्रिप्टो सूचना, क्रिप्टो डाटा आदि।

लाभ

→ क्रिप्टो एसेट्स की चोरी करना अत्यंत मुश्किल।

→ इसमें हस्तांतरण के सभी रिकार्ड्स रखे जा सकते हैं।

→ भविष्य में समावेशी बैंकिंग, स्वास्थ्य

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

डाटा प्रबंधन, कल्याणकारी योजनाओं के संचालन आदि में क्रिप्टो एसेट्स से संबंधित तकनीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

सीमाएँ

- अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता।
- ई-कचरा।
- अवैध गतिविधियों हेतु इस तकनीक के इस्तेमाल का खतरा जैसे- टेरर फंडिंग, आदि।

वस्तुतः इन उभरती संभावनाओं के Pros और Cons के अध्ययन हेतु रेगुलेटरी सैंडबाक्स आदि का प्रयोग कर सकारात्मक प्रयोग सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Virtual Reality and Augmented Reality (VR and AR) have massive innovation potential across a wide range of industries and research fields in India. Discuss. **(150 words) 10**

आभासी वास्तविकता और संवर्धित वास्तविकता (VR एवं AR) में, भारत में उद्योगों और अनुसंधान क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में नवाचार को प्रेरित करने की अपार क्षमता है। विवेचना कीजिए।

इलेक्ट्रानिक्स के क्षेत्र में नवीन विकास के रूप में आभासी वास्तविकता का विकास हुआ है। इसमें आभासी रूप में त्रिविमीय चित्रों, डिस्प्ले स्क्रीन आदि का निर्माण किया जाता है।

भारतीय उद्योग में संभावनाएँ

→ शिक्षा क्षेत्र में अंतर्वेगम गुणवत्ता को बढ़ाने में इसका व्यापक महत्व है। यह जटिल पद्धतियों को आसानी से समझा सकता है।

→ मनोरंजन उद्योग द्वारा इसका व्यापक उपयोग किया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ मेडिकल साइंस में भी, खासतौर से R&D तथा टीचिंग के स्तर पर इसका व्यापक उपयोग संभव।

→ रक्षा क्षेत्र में इसका प्रयोग परीक्षण आदि के संदर्भों में किया जा सकता है।

वस्तुतः उपयुक्त सभी व्यापक लाभों को दृष्टिगत रखते हुए इस उभरती टेकनीक में नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु एक मिशन परियोजना शुरू की जा सकती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Discuss the role and functions of Narcotics Control Bureau (NCB) and examine whether the NDPS Act, 1985 needs to be remodelled.

(150 words) 10

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) की भूमिका और कार्यों पर चर्चा कीजिए तथा परीक्षण कीजिए कि क्या NDPS अधिनियम, 1985 को पुनर्निर्मित करने की आवश्यकता है।

पिछले कुछ समय में सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या, गुजरात में अवैध ड्रग की बड़ी बेच की जब्ती तथा कई अन्य घटनाओं ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की भूमिका पर विमर्श को बढ़ावा दिया है।

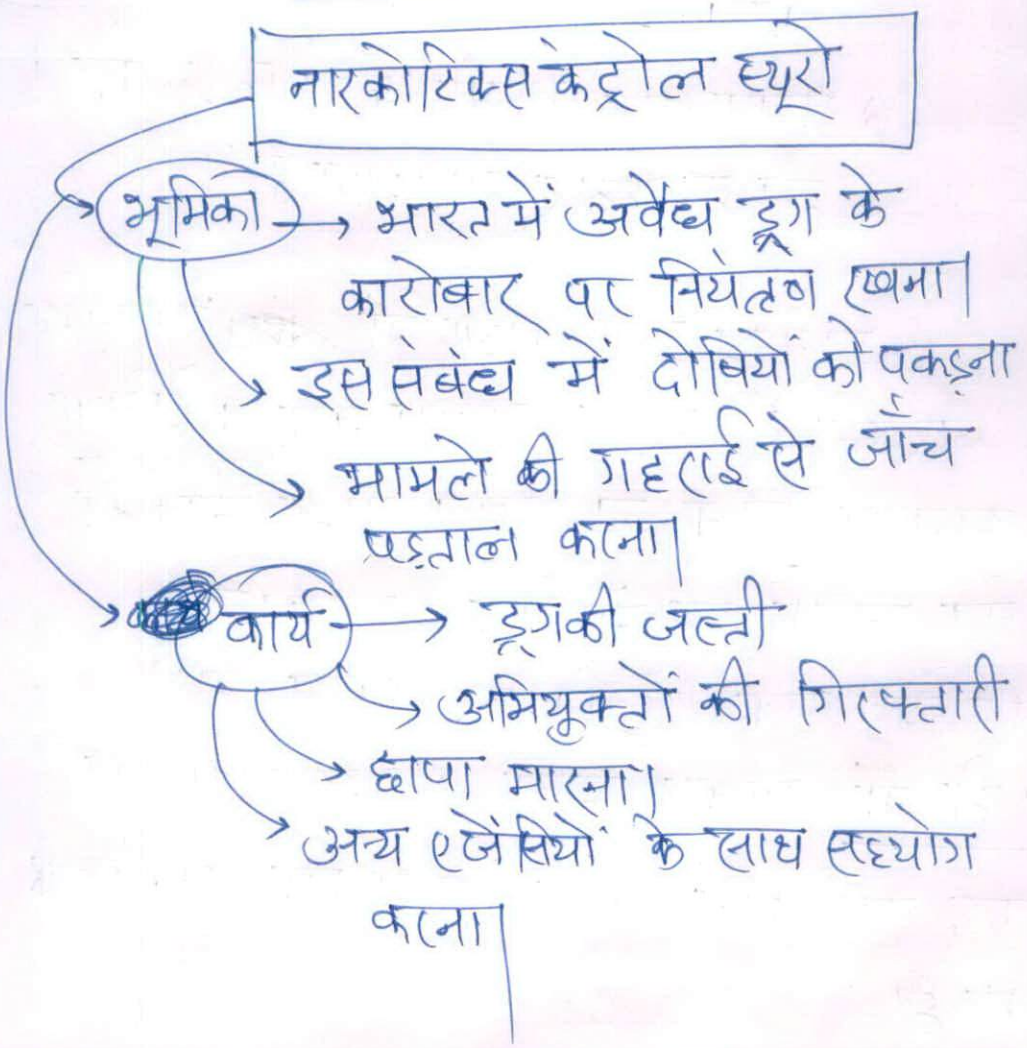

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

NDPS Act 1985

- उद्देश्य → अवैध ड्रग तथा अन्य प्रतिबंधित दवाओं के उपभोग पर कानूनी कार्यवाही करना।
- विशेषताएँ → निजी उपभोग के विरुद्ध भी आपराधिक मुकदमे का प्रावधान
  - जब्त ड्रग की मात्रा से परे सभी के विरुद्ध एकसमान कठोरता से कार्यवाही।
  - प्रथम बार दोषी के विरुद्ध भी उतने ही कठोर प्रावधान हैं।

उपर्युक्त विशेषताओं में परिवर्तन की जरूरत है ताकि प्रथम बार के दोषियों को सुनम्य तरीके से इससे बाहर निकाला जा सके तथा इस संगठित अपराध के अंतिम बिंदु तक पहुँचने का प्रयास हो। हाल ही में सरकार द्वारा NDPS अधिनियम में कुछ संशोधन किया जाना एक सकारात्मक कदम है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Recent events have raised concerns around the issue of surveillance in India. Do you think surveillance is a necessary evil to tackle crime and terror? Discuss the various arguments on the issue. **(150 words) 10**

हाल की घटनाओं ने भारत में निगरानी के मुद्दे को लेकर चिंता बढ़ा दी है। क्या आपको लगता है कि अपराध और आतंक से निपटने के लिए निगरानी एक आवश्यक बुराई है? इस मुद्दे पर विभिन्न तर्कों की विवेचना कीजिए।

हाल ही में भारत समेत दुनिया के कई देशों में पेगासस सॉफ्टवेयर द्वारा सरकारी एजेंसियों की निगरानी गतिविधियों को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ है।

भारत में निगरानी हेतु वैधानिक तथा अन्य शक्तिस्रोत

- भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885
- IT Act, 2000 की धारा-69
- उपर्युक्त दोनों प्रावधानों में निगरानी का आधार लोक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता जैसे तत्वों को बनाया गया है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकारी निगरानी

लाभ / पक्ष

- जटिल सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में मदद मिलती है। वर्तमान में हाइब्रिड वारफेयर के दौर में तकनीक का इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा का अनिवार्य पहलू
- पुलिस बल / अन्य सुरक्षा संगठनों को महत्वपूर्ण इनपुट प्राप्त होता है।
- प्रायः सभी देशों में सरकारें इस तरह की निगरानी रखती आयी हैं।
- निजता तथा अन्य अधिकारों पर युक्तियुक्त निर्बंध होना जरूरी।

हानि / विपक्ष

- भारतीय संविधान में अनुच्छेद-19 द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति के अधिकार के विरुद्ध।
- निजता के अधिकार (जीवन के अधिकार) के विरुद्ध।
  - पुट्टास्वामी वाद।
- राजनीतिक उद्देश्यों हेतु निगरानी की जाती है।

वस्तुतः सरकारों को निगरानी तंत्र का केवल अवश्यंभावी परिस्थितियों में ही प्रयोग करना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The decision to grow a particular crop by a farmer is affected by various factors other than the yield of a crop. Discuss this statement and assess the need for bringing a change in the cropping pattern in India.

(250 words) 15

एक किसान द्वारा किसी विशेष फसल को उगाने का निर्णय उक्त फसल की उपज के अतिरिक्त विभिन्न कारकों से प्रभावित होता है। इस कथन की विवेचना कीजिए तथा भारत में फसल पद्धति (क्रॉपिंग पैटर्न) में परिवर्तन लाने की आवश्यकता का आकलन कीजिए।

हाल ही में भारत सरकार की मंत्रिमंडलीय बैठक में जीरो बजट नेचुरल फार्मिंग के संदर्भ में एक समिति का गठन किया गया। इस संबंध में प्रधानमंत्री ने ZBNF को भारतीय फसल पद्धति में वैज्ञानिक परिवर्तन लाने वाला साधन करार दिया।

किसान द्वारा फसल उगाने के निर्णय को प्रभावित करने वाले कारक

(1) आर्थिक कारक → फसल का बाजार में मांग कैसी है?
→ फसल उत्पादन में लागत कितनी आएगी?
→ बीज के अतिरिक्त अन्य आगतों हेतु कितना निवेश करना पड़ेगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② फसल पैटर्न पर आर्थिक कारक का प्रभाव भारत के मैदानी क्षेत्रों में मेंथा जैसी वाणिज्यिक फसलों की बढ़ती प्रवृत्ति से लगाया जा सकता है।

② पर्यावरणीय/मौसमी कारक
- फसल उत्पादन में कितना समय लगेगा।
- मानसून कैसे रहने की संभावना है?
- वर्तमान मौसमी प्रतिरूप के अनुकूल है फसल अथवा नहीं?

③ मृदा अथवा जल संबंधी कारक
- मृदा की गुणवत्ता, उपयुक्तता
- जल की उपलब्धता आदि।
- जैसे गन्ने की खेती जल उपलब्धता वाले क्षेत्र में ही संभव है।

(4) खाद्य संस्कृति

↳ वहाँ के लोगों की खाद्य आदतें भी कृषि प्रारूप पर व्यापक प्रभाव डालती हैं जैसे दक्षिण भारत में चावल, नारियल आदि की खेती।

(5) सरकारी प्रोत्साहन / सब्सिडी

↳ न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसे प्रावधान। भारत में MSP को फसल प्रतिरूप को परिवर्तित करने का दोषी माना जाता है। वस्तुतः इससे मोटे फसलों की जगह धान, गेहूं, गन्ना आदि को बढ़ावा मिला।

उपर्युक्त परिवर्तन से पोषण दक्ष, जल दक्ष, सूखा प्रतिरोधी, जलवायु सुनम्य फसल पद्धति परिवर्तित हुई है अतः वर्तमान जरूरत ZBNF, जैविक कृषि, आभासी जल व्यापार आधारित कृषि को प्रोत्साहित करने की है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Identifying the importance of livestock in the Indian agricultural economy, enumerate the steps taken by the government in this regard. Also, discuss the potential impact of climate change on the livestock sector.

(250 words) 15

भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था में पशुधन के महत्व को चिन्हित करते हुए, इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध कीजिए। साथ ही, पशुधन क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन के संभावित प्रभावों पर चर्चा कीजिए।

भारतीय कृषि की संपूर्ण G.D.P. में पशुधन का योगदान लगभग 34% है। सरकार द्वारा भारतीय कृषि प्रणाली को लाभकारी बनाने की दिशा में पशुधन को अनेक स्तरों पर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था एवं पशुधन

⇒ NABARD के ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वे 2018 के अनुसार भारतीय कृषि परिवार की औसत मासिक आय में बड़ा हिस्सा पशुधन से आता है।

⇒ पशुधन फसल उत्पादन से होने वाले क्षय की क्षतिपूर्ति करता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ कृषि समुदाय की पोषण एवं खाद्य सुरक्षा में भी पशुधन का योगदान है।

⇒ कृषि आय जुगुना करने में महत्वपूर्ण।

⇒ आपात स्थिति से निपटने हेतु, एक तरल संपत्ति के रूप में पशुधन कार्य करता है।

सरकार द्वारा उठाए गए कदम

- श्वेत क्रांति अम्ब्रेला योजना के तहत
- राष्ट्रीय गोकुल मिशन
  - नस्ल में सुधार, संरक्षण, संवर्धन हेतु
  - कामधेनु ब्रीडिंग सेंटर्स की स्थापना
- राष्ट्रीय कामधेनु आयोग
  - पशुधन विकास हेतु सुझाव
  - Cow vigilantism पर नियंत्रण।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ e-पशुधन हाट की स्थापना ताकि ऑनलाइन खरीद बिक्री हो सके।

⇒ नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा क्लोनिंग आदि द्वारा नस्ल उन्नतीकरण का प्रयास।

⇒ जानवरों की पहचान संख्या के द्वारा उनका राष्ट्रीय डाटाबेस निर्माण का प्रयास।

⇒ बजट-2021-22 में खुरपका मुंहपका बीमारी तथा ब्रुसेलिस के समाप्ति हेतु अभियान।

पशुधन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव

⇒ चारे की उपलब्धता प्रभावित हुई है।
⇒ उत्पादकता में कमी आयी है।
⇒ मत्स्यन मुश्किल हुआ है।
⇒ बीमारियों की तीव्रता एवं व्यापकता में वृद्धि हुई है।

वस्तुतः सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र तथा अन्य हितधारकों के सहयोग से निरंतर इसके विकास का प्रयास करना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. It has been argued by some economists that supply creates its own demand. In this context, discuss the merits and demerits of reliance on investment in infrastructure to boost the Indian economy.

(250 words) 15

कुछ अर्थशास्त्रियों द्वारा यह तर्क दिया जाता है कि आपूर्ति अपनी मांग को स्वयं सृजित करती है। इस संदर्भ में, भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश पर निर्भरता के गुण एवं दोषों की विवेचना कीजिए।

अर्थव्यवस्था का मूलभूत तर्क है कि कोई भी आर्थिक क्रिया मूल्यों को लक्षित करती है अर्थात् कुछ भी मुफ्त नहीं होता। उसी तरह निवेश की भी अपनी सीमाएं होती हैं।

सरकार द्वारा राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन तथा अन्य कई परियोजनाओं द्वारा सैकड़ों लाख करोड़ के निवेश को आकर्षित करके विकास को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है।

भारत जैसे देश में, जहां सरकार की क्षमता सीमित है वहां,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निवेश अर्थव्यवस्था के सर्वाधिक महत्वपूर्ण संचालकों में से एक होता है। हालांकि इसकी अपनी सीमाएँ भी हैं।

निवेश के लाभ

- सरकार की राजकोषीय क्षमता सीमित अतः इसकी भरपाई निवेश द्वारा की जाती है।
- निवेश से लंबित परियोजनाओं को त्वरित गति से पूर्ण किया जा सकता है।
- निजी निवेश से परियोजनाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता में वृद्धि होती है।
- निवेशक को लाभ होता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निवेश की सीमाएँ

- विदेशी निवेश के उपयोग से महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन होता है जब निवेश पर रिटर्न आना शुरू होता है।
- निजी निवेशक यदि परियोजना में निवेश करते हैं तो लाभ के दृष्टिकोण से करते हैं। अतः लागत में वृद्धि होती है।
- यदि सरकारें निवेश करती हैं तो क्राउडिंग आउट होता है और अन्य महत्वपूर्ण मदों हेतु धनराशि की आपूर्ति बाधित होती है।
- निवेशकों द्वारा पर्यावरणीय नियमों तथा अन्य मानदंडों के प्रति उपेक्षात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाता है।

निष्कर्ष :- समन्वय एवं संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Innovations emerge not just as an opportunity but also as a pre-condition to assure the sustainability of food production. Analyse the statement in context of the food processing sector in India. **(250 words) 15**

नवाचार, खाद्य उत्पादन की संधारणीयता को सुनिश्चित करने के लिए न केवल एक अवसर के रूप में बल्कि एक पूर्व शर्त के रूप में भी उभरें हैं। भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक के संदर्भ में, इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

हाल ही में भारत में एक्वापोनिक्स जैसी नवाचारी कृषि पद्धतियों ने भविष्य की संधारणीय खाद्य उत्पादन प्रणाली के विकास हेतु सकारात्मक संकेतों का सृजन किया है।

खाद्य उत्पादन की संधारणीयता की जरूरत क्यों?

- सतत विकास लक्ष्य (2)
- खाद्य उत्पादन प्रणाली पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव
- बढ़ी जनसंख्या के पोषण हेतु नवीन पद्धतियों की जरूरत।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

नवाचार की भूमिका

→ जल दक्ष कृषि प्रणाली के विकास में।

→ खाद्य अपव्यय रोकने में। विदित है कि FAO की रिपोर्ट के अनुसार प्रतिवर्ष प्रतिव्यक्ति 50 Kg खाद्य अपव्यय होता है।

→ जलवायु सुनम्य कृषि प्रणाली में।

→ उत्पादकता की वृद्धि में

→ पोषण सुनिश्चित करने में।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक में नवाचार

→ बायो फोर्टिफिकेशन

→ इस पद्धति द्वारा भारत में पोषण की दयनीय स्थिति से लड़ने में कारगर मदद मिल सकती है।

⇒ दूरसंचार तकनीक द्वारा पूरी श्रृंखला का एकीकरण :- इंडिया मार्ट जैसी ई मार्केटप्लेस प्लेटफार्म्स ने खाद्य प्रसंस्करण मशीनों की पहुँच दूर-दराज के क्षेत्र तक सुनिश्चित की है।

⇒ लैब प्रसंस्करण मीट
→ वर्तमान में पशु आधारित प्रोटीन पद्धति वहनीय नहीं है अतः पश्चिमी देशों के साथ-साथ भारत में भी लैब प्रसंस्कृत प्रोटीन एक प्रभावी साधन सिद्ध हो सकता है।

वस्तुतः सरकार द्वारा स्टैंड अप इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, कृषि संपदा योजना तथा हाल ही में प्रसंस्करण उद्योग के औपचारिकरण के तहत नवाचार को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. The factors contributing to unemployment in India are not merely a result of the structural issues related to the Indian economy. Discuss. Also, highlight the measures taken to address the problem of unemployment in recent times. **(250 words) 15**

भारत में बेरोजगारी को बढ़ावा देने वाले कारक केवल भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित संरचनात्मक मुद्दों का परिणाम नहीं हैं। चर्चा कीजिए। साथ ही, हाल के दिनों में बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए किए गए उपायों पर प्रकाश डालिए।

2022 में प्रकाशित श्रम बल भागीदारी सर्वे में भारत की बेरोजगारी दर 5.6% बतायी गयी जिसके पीछे विविध कारकों का योगदान है।

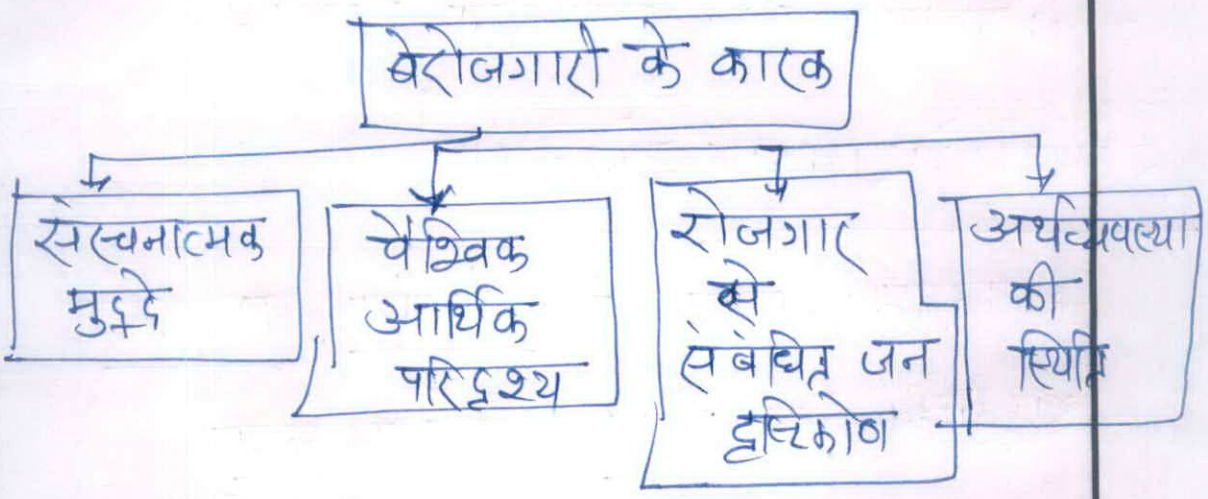

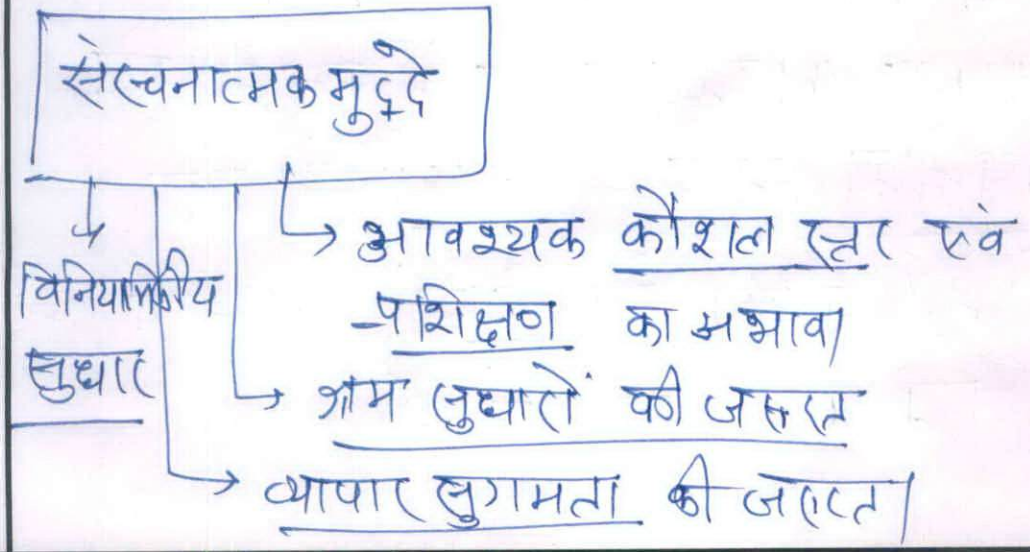

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य

→ वैश्विक व्यापार में वृद्धि से मांग सृजन होता है अतः निवेश एवं रोजगार में वृद्धि होती है।

→ कोरोना काल एवं उसके पूर्व संरक्षणवाद व्यापार युद्ध जैसे परिदृश्य ने भारतीय बेरोजगारी में योगदान दिया है।

रोजगार से संबंधित दृष्टिकोण

↳ वस्तुतः भारत में प्लंबिंग, पशुपालन, लघु उद्यम, नाई का काम, दर्जी का काम जैसे रोजगारों के प्रति स्वीकार्यता का स्तर समाज में कम है जिससे विशेष वर्गों हेतु प्रतिस्पर्द्धा में वृद्धि होती है। आर्थिक सर्वेक्षणों में इसे हटाने की बात की जाती रही है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अर्थव्यवस्था की स्थिति

→ चक्रीय मंदी, आपातकाल तथा अन्य कारकों से भी अर्थव्यवस्था में मंदी सृजित होती है अतः रोजगार प्रभावित होता है।

सरकारी उपाय

→ दीनदयाल अंत्योदय योजना (DAY)
  → शहरी एवं ग्रामीण आजीविका मिशन।

→ स्टैंड अप इंडिया एवं स्टार्टअप इंडिया के तहत प्रोत्साहन स्वरोजगार को

→ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में व्यवसायिक प्रशिक्षण आदि पर जोर।

→ राष्ट्रीय कौशल विकास योजना।

→ कोरोना काल में ASEEM पोर्टल, स्वदेश पोर्टल आदि द्वारा श्रमिकों की मैपिंग

उपर्युक्त प्रयासों के साथ-साथ सरकार विदेश व्यापार आदि द्वारा भी इस दिशा में प्रयासरत है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Highlighting the major announcements made by India in the recently concluded COP26, examine India's capabilities in achieving net zero emissions by 2070. **(250 words) 15**

हाल ही में संपन्न COP26 में भारत द्वारा की गई प्रमुख घोषणाओं पर प्रकाश डालते हुए, वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन की स्थिति प्राप्त करने में भारत की क्षमताओं का परीक्षण कीजिए।

1992 में संपन्न अर्थ समिट के जलवायु परिवर्तन संबंधित समझौते के 26वें COP का आयोजन यूनाइटेड किंगडम के ग्लासगो में हुआ। इसमें भारत द्वारा अधोलिखित 3 घोषणाएँ की गयीं।

भारत की प्रमुख घोषणा

→ 2070 तक शून्य उत्सर्जन प्राप्ति का लक्ष्य।

→ 2015 में पेरिस समझौते के तहत घोषित NDC's में भारत ने वृद्धि की है जिसमें शामिल है। →

→ नवीकरणीय ऊर्जा के नवीन लक्ष्यों का निर्धारण।

→ अतिरिक्त कार्बन भंडार का सृजन।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ कोयले के उपयोग को 'फेज डाउन' करना।

शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने की भारत की क्षमता

क्षमताएँ

→ भारत के पास 7500 km लंबी तटरेखा अतः अपतटीय ऊर्जा दोहन की संभावना से स्वच्छ ऊर्जा प्राप्ति।

→ भारत अस्थकटिबंधीय देश, ISA का नेतृत्वकर्ता है अतः सौर ऊर्जा की व्यापक संभावना।

→ राजस्थान, गुजरात आदि क्षेत्रों में पवन ऊर्जा संभावना।

सीमाएँ

→ अभी भी भारत की ऊर्जा बास्केट में 55% कोयला का योगदान।

→ भारत विश्व का प्रमुख पेट्रोलियम आयातक

→ भारत में उद्योगों के उत्सर्जन मानदंड में नवीन लक्ष्य से साम्य नहीं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्षमताएँ

→ भारत का वनावरण 25% के आसपास। भारत लगातार 33% के लक्ष्य हेतु अग्रसर।

→ भू-तापीय ऊर्जा की संभावनाएँ

सीमाएँ

→ दुर्लभ मृदा धातुओं की अनुपलब्धता से स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य बाधित हो सकते हैं।

→ भारत के पास कार्बन कैप्चर, स्टोरेज एवं निपटान जैसी तकनीकी क्षमता सीमित

→ सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को इस दिशा में प्रेरित करना चुनौतीपूर्ण।

वस्तुतः सरकार एवं उद्योग सभी को एकजुट होकर 2070 हेतु नवीन रणनीतिक दिशा-निर्देशों एवं प्रक्रियाओं को अपनाने की जरूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. While geography plays a definite role in the recurring disasters in Western Ghats, it is the human intervention that has exacerbated them. Discuss. Also, suggest measures to protect Western Ghats from these frequent disasters. **(250 words) 15**

यद्यपि, पश्चिमी घाट में बारंबार आपदाओं के घटित होने के पीछे भौगोलिक स्थिति एक निश्चित भूमिका निभाती है, तथापि मानवीय हस्तक्षेपों ने उन्हें और बढ़ा दिया है। विवेचना कीजिए। साथ ही, बार-बार आने वाली इन आपदाओं से पश्चिमी घाट को बचाने के उपायों का सुझाव दीजिए।

पिछले मानसून में भारत के पश्चिमी घाट पर कई भू-स्खलनों ने इसकी सुभेद्यताओं एवं नकारात्मक एंथ्रोपोजेनिक प्रभावों के संदर्भ में परिणामों को प्रकट किया।

पश्चिमी घाट में मानवीय हस्तक्षेप में वृद्धि

- पर्यटन → उद्योगों का विकास
- कृषि हेतु निर्वनीकरण
- तटीय विनियमन क्षेत्र संबंधी दिशानिर्देशों का उल्लंघन।
- सरकार द्वारा उचित संरक्षण आदि प्रयासों की कमी।

प्राकृतिक कारक

→ जलवायु परिवर्तन

→ वर्षा प्रतिरूप में परिवर्तन → तीव्रता में परिवर्तन।

पश्चिमी घाट को बचाने को उपाय

→ पश्चिमी घाट के इकोसिस्टम को संरक्षित करने हेतु बनी गाडगिल समिति की सिफारिशों को लागू किया जाय।

→ वनीकरण में तीव्रता लाई जाय।

→ विदेशी प्रजातियों से संरक्षण के प्रयास।

→ तटीय विनियमन क्षेत्रों से अतिक्रमण को हटाया जाय। स्पष्ट सीमांकन हो।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भविष्य में आपदाओं से बचाव हेतु

- जागरूकता सृजन
- सामुदायिक सहयोग
- आपदा मानचित्रण
- बाढ़ दीवारों का निर्माण

उपर्युक्त क्रियाओं द्वारा नकारात्मक प्रभावों को सीमित किया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. The IPR regime in India is mired by inadequate protection and ineffective implementation. In this context, discuss how the IPR regime can be made more robust and effective. **(250 words) 15**

भारत में IPR प्रणाली अपर्याप्त संरक्षण और अप्रभावी कार्यान्वयन से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि IPR प्रणाली को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है।

भारत की बौद्धिक संपदा संरक्षण व्यवस्था की अक्सर विकसित देशों, WTO तथा उद्योगों आदि द्वारा निंदा की जाती रही है। भारत में अधोलिखित प्रावधानों द्वारा IPR की व्यवस्था की जाती है।

1) भारतीय पेटेंट अधिनियम 1970
2) कॉपीराइट अधिनियम
3) भौगोलिक संकेतक (GI) रजिस्ट्री अधि
4) सर्किट डिजाइन अधिनियम
5) अन्य → TKDL आदि।

उपर्युक्त प्रावधानों की अधोलिखित सीमाएँ नजर आती हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सीमाएँ

- पेटेंट फीस अधिक है।
- पेटेंट प्रक्रिया लंबी है।
- पेटेंट प्रदान करने में अन्य देशों की तुलना में दर कम है।
- फिल्मों आदि की पाइरेसी का मुद्दा है।
- भारतीय परंपरागत ज्ञान के संरक्षण हेतु पर्याप्त प्रावधानों का अभाव है।
- कई कानून नवीन परिस्थितियों से निपटने में असमर्थ हैं।

समाधान

- भारतीय पेटेंट अधिनियम, कॉपीराइट अधिनियम आदि में संशोधन द्वारा स्पष्ट एवं कठोर प्रावधान किए जाएँ इस दिशा में नवीन IPR नीति 2016 का सहारा लिया जा सकता है।
- इ-प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग द्वारा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रक्रियाओं में तीव्रता, पारदर्शिता तथा लोगों में जागरूकता, राष्ट्रीय डेटाबेस का सृजन आदि किया जा सकता है।

⇒ WTO के अन्तर्गत TRIPS आदि के दिशानिर्देशों का मार्गदर्शन लिया जा सकता है।

वस्तुतः कोरोना जैसी परिस्थितियों ने इस दिशा में सुधार की आवश्यकता को तीव्र किया है ताकि नवाचारी परिवेश के सृजन द्वारा अर्थव्यवस्था को गति प्रदान की जा सके।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. What are the similarities and differences between the activities of terrorists and organized criminal groups? Also, elaborate upon the fact that their linkages occur in both tactical and strategic ways. **(250 words) 15**

आतंकवादियों और संगठित आपराधिक समूह की गतिविधियों के बीच समानताएं और असमानताएं क्या हैं? साथ ही, इस तथ्य पर सविस्तार चर्चा कीजिए कि उनके संबंध सामरिक और रणनीतिक दोनों तरीकों से होते हैं।

आतंकवादी से प्रायः आशय ऐसे व्यक्ति से होता है जो वैचारिक आग्रहों एवं आकांक्षाओं से मार्गदर्शित होकर आतंक के परिवेश का सृजन करता है जैसे – हाफिज सईद, कसाब आदि।

संगठित अपराध समूह के पीछे प्रेरक तत्व आर्थिक हित होता है जिसके लिए वे संगठनात्मक अपराधों को अंजाम देते हैं।

दोनों के बीच समानताएँ

→ कानून के विरुद्ध हैं दोनों।

→ सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक हितों पर दोनों का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ दोनों द्वारा प्रायः युवाओं को लक्षित करने का प्रयास किया जाता है।

⇒ दोनों द्वारा कानून व्यवस्था को चुनौती दी जाती है।

असमानताएँ

→ आतंकवाद का आधार वैचारिक जबकि संगठित अपराध का आर्थिक।

→ संगठित अपराधी प्रायः अनामित्व एवं गुप्त तरीके से काम करते हैं।

→ आतंकवादी अपने कार्यों की जिम्मेदारी स्वयं लेते हैं।

दोनों के बीच सामरिक संबंध

→ पाकिस्तान जैसे देश आतंकवाद एवं संगठित अपराध का एकसाथ गठजोड़ कर भारत के विरुद्ध इस्तेमाल करते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

रणनीतिक संबंध

- आतंकवादी संगठन संगठित अपराध की आर्थिक गतिविधियों से वित्तीय आवश्यकता की पूर्ति करते हैं। तालिबान द्वारा अफीम का अवैध व्यापार इसका उदाहरण है।
- दोनों के कैडर में उभयनिष्ठता होती है।
- अन्य लॉजिस्टिकल सपोर्ट में एक दूसरे हेतु पूरक की भूमिका निभाते हैं।

वस्तुतः आतंकवाद एवं संगठित अपराध के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण अपनाते हुए भारत ने NIA (राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी) को दोनों क्षेत्रों संबंधी अधिकार सौंपे हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. There is a view that the 'civil society is emerging as the new frontier of war', in the 4th generation of warfare. Do you agree with this view? Substantiate with logical arguments. **(250 words) 15**

ऐसा माना जाता है कि नागरिक समाज, युद्ध की चौथी पीढ़ी में एक नए मोर्चे के रूप में उभर रहा है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? उचित तर्कों के साथ पुष्टि कीजिए।

युद्ध की चौथी पीढ़ी से आशय वर्तमान परिदृश्य में हाइब्रिड वारफेयर, सूचना युद्ध, अंतरिक्ष युद्ध, साइबर युद्ध जैसे नवीन डोमेन के विकास से है। उपर्युक्त सभी डोमेन में नागरिक समाज महत्वपूर्ण घटक सिद्ध हो सकता है।

नागरिक समाज ~~नागरिक~~ से आशय लोगों के एक ऐसे सामूहिक गठबंधन (संगठन) से है जो किसी विशेष उद्देश्य (मानवाधिकार, पर्यावरण संरक्षण) हेतु कार्य करते हैं एवं सरकार के पूरक की भूमिका निभाते हैं। जैसे:- एमनेस्टी इंटरनेशनल, नर्मदा बचाओ आंदोलन आदि।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इनका दुरुपयोग

→ इंटेलिजेंस ब्यूरो एवं CBI आदि की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कई नागरिक समाज संगठन विदेशी धनराशि का उपयोग भारतीय विकासात्मक परियोजनाओं को बाधित करने हेतु कर रहे हैं।

→ CBI की एक अन्य रिपोर्ट में यह बात सामने आयी कि अधिकांश NGO's अपनी आय व्यय का ब्यौरा गृहमंत्रालय को देने में विफल रहे हैं।

→ वर्तमान संदर्भ में सूचना क्रांति का उपयोग इन संगठनों के साथ जोड़कर राजनीतिक अस्थिरता आदि के सृजन हेतु किया जा रहा है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नागरिक समाज की सकारात्मक भूमिका

- मानवाधिकार, पर्यावरण संरक्षण आदि में।
- सरकार के पूरक के रूप में।
- संवेदनशील वर्गों का कल्याण सुनिश्चित करने में।

उपाय

- विदेशी अंशदाय अधिनियम 2010 का क्रियान्वयन कठोरता से हो।
- संदिग्ध संगठनों, व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाय।
- अन्य संगठनों को क्षति न पहुँचे अतः संतुलित उपाय की जरूरत है।